हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, सोमवार 15 जून 2026

11 संत कबीर जयंती समारोह में किया मेधावी छात्रों का सम्मान

12 जहां पांच दिन पहले की सफाई, वहां अब फिर गंदगी

खबर संक्षेप

पानी में डूबने से एक वर्षीया मासूम की मौत

झज्जर। क्षेत्र के गांव सुलौधा में एक वर्षीया मासूम बच्ची की पानी में डूबने से मौत हो गई। मृतका की पहचान मूल रूप से यूपी के बदांयू जिला निवासी किशनपाल उर्फ राजेंद्र की एक वर्षीया पुत्री परी के तौर पर की गई है। जानकारी के अनुसार परी खेलते हुए पानी की रेडिमेड होदी में जा गिरी। परिजनों को जब पता चला वे उसे उपचार के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल लेकर पहुंचे जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। फिलहाल पुलिस द्वारा मृतका के शव को अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया है। सोमवार को शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पुलिस को दिए बयान में परी की मां लक्ष्मी ने बताया कि वह गांव में किराए के मकान में रहकर दिहाड़ी मजदूरी का कार्य करते हैं।

विकसित भारत संकल्प सम्मेलन आज

झज्जर। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिलेभर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में सोमवार को संवाद भवन में विकसित भारत संकल्प सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। एडीसी जगनिवास ने बताया कि सम्मेलन का उद्देश्य केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों तथा देश को विकसित भारत बनाने के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाना है।

अवैध हथियार सहित आरोपी गिरफ्तार

बहादुरगढ़। पुलिस की अपराध जांच शाखा प्रथम ने अवैध हथियार सहित 1 आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास 1 देशी पिस्तौल व 15 कारतूस बरामद हुए। आरोपी की पहचान आदित्य के रूप में हुई है। गांव भापड़ोदा का रहने वाला है। पुलिस को सूचना थी कि वह भापड़ोदा में पुल के पास है और कहीं जाने की फिराक में है। इसी दौरान उसे काबू किया गया। आरोपी के खिलाफ आसौदा थाने में केस दर्ज किया गया है। मामले में जांच की जा रही है।

जिला व उपमंडल स्तर पर आज लगेंगे समाधान शिविर

झज्जर। आमजन की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा सोमवार को जिला मुख्यालय सहित सभी उपमंडलों में समाधान शिविर सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक लगाए जाएंगे। प्रवक्ता ने बताया कि जिला स्तरीय समाधान शिविर में डीसी वर्षा खांगवाल व उपमंडल स्तर पर संबंधित एसडीएम लोगों की समस्याएं और शिकायतें सुनेंगे।

दुकानदार सीएम को देंगे पूरी जानकारी

बहादुरगढ़। शहर के मेन बाजार के दुकानदारों ने पूर्व पार्षद जसबीर सैनी से मुलाकात कर वक्फ बोर्ड की जमीन को लेकर अपना पक्ष रखा। जिसे सुनने के बाद भाजपा नेता ने कहा कि झूठे दस्तावेजों के सहारे जमीन हड़पने की इस पूरी जालसाजी को लेकर सीएम से बात करेंगे। उन्होंने कहा कि इसमें संलिप्त अधिकारियों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

ब्लड कैंप में 30 ने किया रक्तदान

बहादुरगढ़। सनातन रक्षा दल व डॉ. मेहूल तिवारी के सहयोग से शिवशक्ति हॉस्पिटल में जेजे हॉस्पिटल के ब्लड बैंक टीम द्वारा रक्तदान शिविर लगाया गया। इसमें 30 लोगों ने रक्तदान किया। सभी रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र के साथ हेलमेट देकर सम्मानित किया गया। अश्वनी कुमार बराही व धर्मेश वशिष्ठ ने बताया कि एक व्यक्ति के रक्त से तीन व्यक्तियों की जान बचाई जा सकती है।

आत्मसमर्पण से इनकार पर हुई क्रॉस फायरिंग, हाथ में गोली लगने से इंस्पेक्टर घायल

एसटीएफ के साथ देर रात मुठभेड़ में विजय सैनी हत्याकांड का आरोपी इंद्रपाल ढेर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

क्षेत्र के दुजाना गांव के खेतों में रविवार देर रात स्पेशल टास्क फोर्स और एक बदमाश के बीच हुई मुठभेड़ में विजय सैनी हत्याकांड का आरोपी इंद्रपाल मारा गया। मुठभेड़ के दौरान एसटीएफ के इंस्पेक्टर राकेश भी गोली लगने से घायल हो गए। उनके हाथ में गोली लगी है और उन्हें उपचार के लिए नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार करीब 15 दिन पहले दुजाना गांव के खेतों में विजय सैनी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में इंद्रपाल का नाम सामने आने के बाद पुलिस द्वारा उसकी तलाश में लगातार दबिश दी जा रही थी।

रविवार रात एसटीएफ को इंद्रपाल की लोकेशन दुजाना गांव के पास मिली। इसके बाद टीम ने उसे ट्रेस कर घेराबंदी शुरू की। पुलिस द्वारा दिन में विभिन्न स्थानों पर नाके लगाए गए थे। एसटीएफ अधिकारियों के अनुसार आरोपी को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, लेकिन उसने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में एसटीएफ ने भी गोली चलाई। क्रॉस फायरिंग के दौरान एसटीएफ इंस्पेक्टर राकेश के हाथ में गोली लग गई, जिससे वह घायल हो गए। मुठभेड़ में इंद्रपाल को भी गोली लगी। पुलिस द्वारा मुठभेड़ में घायल बदमाश इंद्रपाल व इंस्पेक्टर राकेश को उपचार के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल लाया गया। जहां इंद्रपाल को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि घायल इंस्पेक्टर राकेश अस्पताल में उपचाराधीन है।

झज्जर। घायल इंस्पेक्टर का हालचाल पूछते हुए आईजी एसटीएफ बी सतीश बालन।

झज्जर। आईजी एसटीएफ बी सतीश बालन मामले की जानकारी लेते हुए।

संजय बिरधाना का मुख्य सहयोगी था इंद्रपाल

पुलिस कमिश्नर डॉक्टर राजश्री ने बताया कि एसटीएफ के साथ हुई मुठभेड़ में ढेर हुआ इंद्रपाल विजय सैनी हत्याकांड के मुख्य आरोपी संजय बिरधाना का करीबी सहयोगी माना जाता था। इस मामले में पुलिस पहले ही इंद्रपाल की गर्लफ्रेंड को गिरफ्तार कर चुकी है। घटना की सूचना मिलते ही उन्होंने भी नागरिक अस्पताल पहुंच कर मुठभेड़ में घायल एसटीएफ इंस्पेक्टर राकेश का हालचाल पूछा और अधिकारियों से पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली।

घायल इंस्पेक्टर का हाल पूछने नागरिक अस्पताल पहुंचे एसटीएफ आईजी सतीश बालन

घटना की सूचना मिलने के बाद एसटीएफ आईजी सतीश बालन भी नागरिक अस्पताल पहुंचे। उन्होंने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि रोहतक जिले के कसरेंटी गांव निवासी बदमाश इंद्रपाल दुजाना गांव में किसी वारदात को अंजाम देने के लिए आने वाला है। इंद्रपाल पर विजय सैनी व संजय बिरधाना की पत्नी की हत्या में शामिल होने सहित कई मामले दर्ज है। सूचना पर कार्रवाई करते हुए एसटीएफ द्वारा शाम छह बजे ही दुजाना गांव में डेरा डाल लिया गया था। उनके द्वारा गांव में वीटी भी कराई गई थी। इसके बाद इंद्रपाल व एसटीएफ की दुजाना गांव के खेतों में मुठभेड़ हुई। जिस दौरान पुलिस द्वारा उसे आत्मसमर्पण के लिए भी बोला गया था लेकिन आरोपी बदमाश द्वारा गोली चलाए जाने के जवाब में एसटीएफ द्वारा भी क्रॉस फायरिंग की गई थी।

घर-घर पहुंचेंगे बीएलओ मतदाता सूची होगी अपडेट

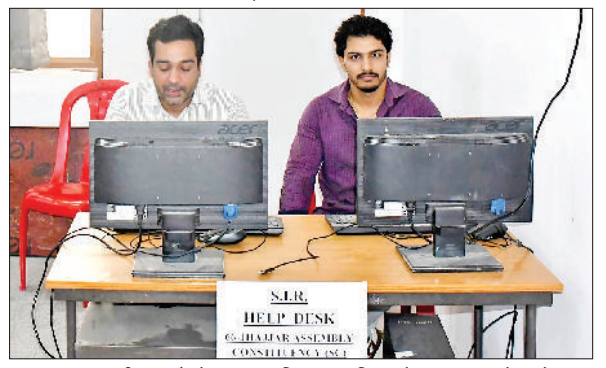

झज्जर। एसआईआर को लेकर लघुसचिवालय परिसर में बनाया गया हेल्प डेस्क।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

सोमवार से भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूची विशेष गहन परीक्षण आरंभ हो रहा है। 15 जून से 14 जुलाई तक गहन परीक्षण कार्यक्रम के दौरान बूथ लेवल आफिसर डोर टू डोर दस्तक देते हुए मतदाता सूची को अपडेट करने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए फार्म वितरण व संग्रहण करेंगे। यह जानकारी जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी वर्षा खांगवाल ने दी। उन्होंने बताया कि प्रशासनिक स्तर पर एसआईआर को प्रभावी रूप से क्रियांवित करने के लिए योजाबद्ध तरीके से प्रशासन ने व्यवस्था की है। जहां एक ओर बीएलओ हर घर दस्तक देकर डाटा अपडेट करने का दायित्व निभाएंगे वहीं दूसरे ओर स्वीप गतिविधियों के तहत आमजन को जागरूक भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि एसआईआर का मुख्य उद्देश्य एक शुद्ध एवं वास्तविक मतदाता सूची तैयार करना है। सर्वे को लेकर बीएलओ, सुपरवाइजर और राजनीतिक दलों के बीएलए के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरे हो चुके हैं।

हेल्प डेस्क शुरू

जिला की चार विधानसभा क्षेत्रों में 8 लाख 15 हजार 711 मतदाता : जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने बताया कि इस समय जिले में कुल 8 लाख 15 हजार 711 मतदाता हैं, जिनमें बहादुरगढ़ विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 52 हजार 866, बादली में एक लाख 88 हजार 662, झज्जर में एक लाख 89 हजार 592 और बेरी में एक लाख 84 हजार 591 वोटर हैं। जिला में 807 पोलिंग बूथ और इतने ही बीएलओ एवं 82 सुपरवाइजर हैं। उन्होंने कहा कि जो युवा एक जुलाई, 2026 को 18 साल या इससे अधिक आयु के हो जाएंगे, वे अपना वोटर फार्म अवश्य भरें। एसआईआर के लिए लघु सचिवालय परिसर में हेल्प डेस्क स्थापित : जिला निर्वाचन अधिकारी बताया कि जिला प्रशासन की ओर से एसआईआर में आम नागरिकों के सहयोग के लिए लघु सचिवालय परिसर में हेल्प डेस्क बनाया गया है जोकि सुबह सात बजे से रात 9 बजे तक कार्यशील रहेगा। हेल्पलाइन नंबर 1950 सुबह 7 बजे से रात 9 बजे तक जिला मुख्यालय पर सक्रिय रहेगी।

संदिग्ध परिस्थितियों में जेल में बंदी की मौत

झज्जर। संदिग्ध परिस्थितियों में गांव दुलीना स्थित जिला कारागर में बंद एक बंदी की मौत हो गई। मृतक की पहचान शाहदरा निवासी उमेश चंद गोयल के तौर पर हुई है। मौत का कारण हार्ट अटैक बताया जा रहा है। उमेश चंद के खिलाफ किसी झगड़े के मामले में सेक्टर-छह बहादुरगढ़ थाना में मामला दर्ज था। जिस कारण वह जेल में बंद था। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार वह सोते समय स्लैब से गिर गया और उसकी मौत हो गई। पुलिस से नियमानुसार मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

थानेदार की बेटी भावना बनी वायुसेना में फ्लाइंग अफसर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

मूल रूप से गांव कुलताना और वर्तमान में शहर के सैनिक नगर में रहने वाली भावना सहरावत ने भारतीय वायुसेना में फ्लाइंग ऑफिसर बनकर परिवार, गांव समेत पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। हैदराबाद में हुई पासिंग आउट परेड के दौरान उन्हें भारतीय वायुसेना में कमीशन प्रदान किया गया।

दिल्ली पुलिस में एएसआई सतीश सहरावत और राजबाला सहरावत की पुत्री भावना सहरावत का जन्म कुलताना गांव हुआ था। अपने दादा रामकुमार सहरावत तथा दादी विमला देवी के संस्कारों के बूते भावना ने यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। भावना ने सेंट थॉमस स्कूल बहादुरगढ़ से 2019 में 12वीं कक्षा उत्तीर्ण की। इसके बाद दिल्ली के दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज से बीएससी मैथ्स ऑनर्स की। फिर दिल्ली विश्वविद्यालय से एमएससी मैथ्स की।

भावना ने कठिन परिश्रम, अनुशासन तथा दृढ़ संकल्प के बल पर देशसेवा का सपना साकार करते हुए भारतीय वायुसेना में फ्लाइंग ऑफिसर बनने का गौरव प्राप्त किया। उनकी इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है। भावना का भाई देव सहरावत बीटेक करने के बाद एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में कार्यरत हैं। इस सफलता पर परिजनों, रिश्तेदारों, मित्रों, ग्रामीणों आदि ने भावना को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बहादुरगढ़। अपने माता-पिता, दादी व भाई के साथ भावना सहरावत।

16 से 18 तक योग प्रशिक्षण कार्यक्रम

बहादुरगढ़। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में 16 से 18 जून तक बहादुरगढ़ के डॉ भीमराव अंबेडकर स्टेडियम में योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। नोडल अधिकारी डॉ. नीलम पवार ने एसडीएम अभिनव सिवाच तथा आयुष विभाग की जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. संगीता के मार्गदर्शन में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रातः साढ़े 6 बजे से साढ़े 7 बजे तक प्रतिभागियों को योग प्रोटोकॉल के अनुसार विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं स्वस्थ जीवनशैली से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी जाएगी। प्रशिक्षण शिविर में योग के महत्व और दैनिक जीवन में इसकी उपयोगिता के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी जाएगी।

गंदगी से अटे पड़े शहर के नाले बरसाती पानी की निकासी पर संशय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

नियमित सफाई न होने के कारण शहर के नाले गंदगी से अटे पड़े हैं। ऐसे में बरसाती दिनों में परेशानी बढ़ेगी। शहर के भट्टी गेट, बेरी गेट, सीताराम गेट, माता गेट, धौड़ चौक, भगत सिंह चौक आदि जगहों पर नालों की ठीक प्रकार से सफाई नहीं की गई। हालांकि नगर परिषद द्वारा बरसाती मौसम को ध्यान में रखते हुए नाला सफाई का दावा भी किया जा रहा है। लेकिन औपचारिकता के नाम पर साफ किए गए नालों से आगामी दिनों में परेशानी बढ़ेगी। कई माह पहले नगर परिषद द्वारा शहरी के भीतरी हिस्सों में नाला सफाई का कार्य शुरू किया गया था। उस दौरान दुकानों के आगे से अतिक्रमण हटवाकर नाले की सफाई की गई थी लेकिन कहीं नाले पर ढक्कन न लगाए जाने के कारण तो कहीं कूड़ा गिराए जाने के कारण नालों में फिर से गंदगी जमा हो रही है। अंबेडकर चौक के नजदीक टैक्सी स्टैंड पर नाले की सफाई करने के लिए वहां बनी पुलिया तोड़ी गई थी। जिसे नाला सफाई के बाद से अभी तक नहीं बनाया गया। अब खुला हुआ नाला कूड़ा-कर्कट से भरा पड़ा है। गंदगी से भरे इस नाले के कारण जहां टैक्सी स्टैंड के चालकों को गाड़ी खड़ी करने में परेशानी आती है वहीं संबंधित दुकानदारों को भी पूरा दिन बदबूदार माहौल में बैठना पड़ता है। इसी प्रकार भगत सिंह चौक से खेड़ी-खातीवास मार्ग की तरफ का नाला पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाऊस तक खुला हुआ है जिसमें नाले की दीवार भी ढह कर गिर चुकी है। ऐसे में पानी निकासी व्यवस्था चरमराई हुई है। नगर परिषद के चेयरमैन जिले सिंह सैनी ने कहा कि नालों की सफाई का कार्य करवाया जा रहा है। प्री मानसून से पूर्व ही नालों की सफाई का कार्य पूरा करवा दिया जाएगा।

झज्जर। भगत सिंह चौक पर गंदगी से अटा पड़ा नाला।

भारतीय टीम में हुआ जिले के तीन मुक्केबाजों का चयन

झज्जर। भारतीय टीम में चयनित होनहार खिलाड़ी।

झज्जर। महर्षि दयानंद सरस्वती स्टेडियम के तीन मुक्केबाजों का चयन भारतीय टीम में हुआ है। बॉक्सिंग कोच हितेश देशवाल ने बताया कि तीन खिलाड़ियों के चयन से खिलाड़ियों में भी खुशी की लहर है। चयनित मुक्केबाजों में 57 किलोग्राम भारवर्ग में प्राची चाहर, 65 किलोग्राम भारवर्ग में मौसम सुहाग व 85 किलोग्राम भारवर्ग में सागर शामिल है। अब ये खिलाड़ी आगामी 3 जुलाई से 13 जुलाई तक इंडोनेशिया के जकार्ता में होने वाली अंडर-19 एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस उपलब्धि पर भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के अध्यक्ष अजय सिंह, महासचिव प्रमोद कुमार, हरियाणा मुक्केबाजी संघ के अध्यक्ष मेजर सत्यपाल सिंधु, महासचिव ओमबीर हुड्डा ने अभिभावकों व कोच हितेश देशवाल को बधाई देते हुए चयनित खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

नेहरू कॉलेज में अब तक 1451 आवेदन स्नातक कक्षाओं में दाखिले आवेदन की अंतिम तिथि आज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

विभिन्न कॉलेजों में बीए, बीएससी, बीकॉम, बीबीए और बीसीए आदि स्नातक कक्षाओं के दाखिलों के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 15 जून है। जनसंचार विभागाध्यक्ष और मीडिया प्रभारी डॉक्टर अमित भारद्वाज ने बताया कि राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय में यूजी कक्षाओं की 1200 सीटों के लिए रविवार शाम तक 1451 आवेदन किए गए हैं। इनमें से बीए की 480 सीटों के लिए 667, बीसीए की 80 सीटों के लिए 230, बीबीए की 80 सीटों के लिए 131, बीकॉम की 140 सीटों के लिए 138, बीएससी फिजिकल साइंस की 300 सीटों के लिए 110, बीएससी लाइफ साइंस की 80 सीटों के लिए 121 और बीएससी गणित की 40 सीटों के लिए 54 आवेदन किए गए हैं। यदि विद्यार्थी अपने ऑनलाइन फार्म में कोई संशोधन करना चाहें तो 17 जून तक कर सकते हैं।

मिशन एडमिशन

ऑनलाइन वेरिफिकेशन 22 जून तक

डॉक्टर अमित भारद्वाज ने बताया कि दस्तावेजों की ऑनलाइन वेरिफिकेशन 22 जून तक होगी। ऑनलाइन वेरिफिकेशन के लिए कॉलेज में जाने की जरुरत नहीं है। यदि कोई ऑब्जेक्शन होगा तो एसएमएस से रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर सूचना मिल जाएगी। आवेदक को ऑब्जेक्शन दूर करके ऑनलाइन फॉर्म में संशोधन करना होगा।

27 जून को आएगी पहली मेरिट लिस्ट

डॉक्टर अमित भारद्वाज ने बताया कि पहली प्रोविजनल मेरिट लिस्ट 26 जून को जारी होगी ताकि कोई आपत्ति हो तो उसे दूर कर दिया जाए। पहली फाइनल मेरिट लिस्ट 27 जून को आएगी। इस लिस्ट में जिन विद्यार्थियों का नाम आएगा, वे 28 जून से 01 जुलाई तक फीस भर सकेंगे। दूसरी प्रोविजनल मेरिट लिस्ट 02 जुलाई को जारी होगी, जबकि फाइनल लिस्ट 03 जुलाई को आएगी। इस लिस्ट में जिन विद्यार्थियों का नाम आएगा, वे 04 जुलाई से 07 जुलाई तक फीस भर सकेंगे।

9 जुलाई से होगी ओपन काउंसलिंग

डॉक्टर अमित भारद्वाज ने बताया कि पहली और दूसरी मेरिट लिस्ट के दाखिलों के बाद खाली बची सीटों को भरने के लिए ओपन काउंसलिंग 09 जुलाई से शुरू होगी। नए आवेदनों के लिए एडमिशन पोर्टल 10 जुलाई से दोबारा खुलेगा तथा 11 जुलाई से 17 जुलाई तक 100 रुपये लेट फीस के साथ दाखिले होंगे। इसके बाद 18 जुलाई से 24 जुलाई तक 100 रुपये लेट फीस के अलावा 100 रुपये प्रतिदिन अतिरिक्त फीस लगेगी।

कभी फूलों की तरह मत जीना,
जिस दिन खिलोगे बिखर जाओगे
जीना है तो पत्थर की तरह जियो,
किसी दिन तराशे गए तो खुदा बन जाओगे।
- हरिवंश राय बच्चन

कहानी

डॉ. मधुकांत

पेपर आउट है

खुद पीड़ित बनकर पेपर आउट होने की इस असहनीय पीड़ा, छात्रों के दारुण दुख और अभिभावकों की लाचारी ने सजल को अंदर तक पूरी तरह हिलाकर रख दिया था।

मेधावी और अनुशासित छात्र सजल जब गांव के सीधे-सादे परिवेश से निकलकर शहर में कोचिंग करने आया, तो उसके माता-पिता ने अपनी गाढ़ी कमाई का एक-एक पैसा जोड़कर उसे इस उम्मीद से भेजा था कि वह डॉक्टर बनकर लौटेगा। शुरुआत में सजल हॉस्टल के कड़े अनुशासन में रहा। वह रोज घंटों किताबों में खोया रहता। यह परिश्रम कुछ ही महीनों का मेहमान साबित हुआ। उसी शहर के प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान में सजल की मुलाकात अपने ही जिले की अंकिता से हुई, जिसे वह पहले से जानता था।

दोनों ने ही दसवीं की बोर्ड परीक्षा में टॉप टेन में स्थान पाकर जिलाधिकारी से सम्मान प्राप्त किया था। रोज की मुलाकातें, एक ही बेंच पर बैठना और परीक्षा के तनाव को बांटना, धीरे-धीरे गहरे आकर्षण में बदल गया। हॉस्टल की दीवारें अब सजल को जेल जैसी लगने लगीं। अंकिता से बेरोकटोक मिलने के लिए उसने हॉस्टल छोड़ दिया और बाहर एक प्राइवेट कमरा ले लिया। अंकिता का भी वहां आना-जाना आम हो गया। जिस उम्र में करियर की मजबूत नींव रखी जानी चाहिए थी, उसमें दोनों पिकनिक मनाने, सिनेमाघरों और महंगे रेस्टोरेंटों में समय बिताने लगे। किताबें मेज पर धूल फांकती रहीं। उन्हें भ्रम था कि वे बुद्धिमान हैं और अंत में कुछ दिन पढ़कर परीक्षा निकाल लेंगे, पर प्रतियोगी परीक्षाओं की दुनिया एक दिन की लापरवाही भी बर्दाश्त नहीं करती। दो वर्ष का समय पानी की तरह बह गया। जब नीट का परिणाम आया, तो दोनों बुरी तरह असफल रहे। इसी बीच अंकिता के परिजनों को उनके प्रेम-संबंधों का पता चल गया। लोक-लाज के डर से अंकिता के घरवाले तुरंत शहर पहुंचे, सजल के कमरे से उसका सारा सामान समेटा और उसे बलपूर्वक गांव ले गए।

अंकिता के जाने और परीक्षा में मिली हार ने सजल को तोड़ दिया, लेकिन उसका अहंकार मरा नहीं था। वह पराजित होकर गांव नहीं लौटना चाहता था, जहां उसे पिता की मिठाई की दुकान संभालनी पड़ती या किसी स्कूल में मामूली वेतन पर पढ़ाना पड़ता। वह शहर की सुख-सुविधाओं का आदी हो चुका था और रातोंरात अमीर बनना चाहता था। उसने एक तिकड़मी साथी के साथ मिलकर शहर के मुख्य इलाके में एक पूरी बिल्डिंग किराए पर ली और 'अंकिता कोचिंग सेंटर' की शुरुआत की। इस कोचिंग का मुख्य आकर्षण पढ़ाई नहीं, बल्कि छात्रों को किसी भी कीमत पर पास कराने की सौ प्रतिशत गारंटी थी। यह आधुनिक शिक्षा की विडंबना थी कि जो सजल खुद नीट पास नहीं कर पाया था, उसने दो साल की नाकामी में परीक्षा प्रणाली की कमजोरियों और अनैतिक हथकंडों को बारीकी से सीख लिया था। उसे पता था कि कौन सा अधिकारी कहां बिकता है और परीक्षा केंद्रों पर सेटिंग कैसे होती है। जल्द ही उसका यह धंधा चल निकला।

लोक-लाज के डर से अंकिता के घरवाले तुरंत शहर पहुंचे, सजल के कमरे से उसका सारा सामान समेटा और उसे बलपूर्वक गांव ले गए। अंकिता के जाने और परीक्षा में मिली हार ने सजल को तोड़ दिया।

लेकिन पाप का घड़ा ज्यादा दिन नहीं टिकता। एक बड़ी राष्ट्रीय परीक्षा का पेपर आउट कराने के चक्कर में सजल और उसका पार्टनर रंगे हाथों पुलिस द्वारा पकड़ लिए गए। संस्थान पर ताला लग गया और दोनों जेल पहुंच गए। जेल जाने के बाद असली सामाजिक ढांचा सामने आया। सजल के रसूखदार पार्टनर के घरवाले तुरंत पैसा और वकील लेकर आए और अपने बेटे को छुड़ा ले गए। परंतु सजल के गरीब माता-पिता गांव में लोक-लाज के मारे मुंह छिपाए बैठे थे। ऐसे में सजल की जमानत उस बड़े सिंडिकेट ने करवाई जो पूरे देश में पेपर लीक करने का काला साम्राज्य चलाता था। गैंग के सरगना ने सजल की चालाकी और शिक्षा व्यवस्था की कमजोरियों को समझने की उसकी प्रतिभा को भांपकर उसे अपने गैंग का मुख्य मोहरा बना लिया। यह कोई छोटा गिरोह नहीं था, बल्कि पेपर आउट करके लाखों छात्रों के भविष्य को चंद रुपयों में बेचने वाला एक अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट था, जिसे देश के बड़े पूंजीपतियों, भ्रष्ट अधिकारियों और रसूखदार सफेदपोश नेताओं का संरक्षण प्राप्त था। हमारे विशाल देश में साल के बारह महीने कोई न कोई परीक्षा चलती ही रहती है। इन गोपनीय प्रश्नपत्रों को परीक्षा से चंद घंटे पहले आउट करना और अकूत अवैध धन कमाना इस सिंडिकेट का व्यवसाय बन चुका था।

इस सामूहिक खुशी के पीछे देश की शिक्षा व्यवस्था को लगा गहरा ग्रहण छिपा था। योग्य और प्रतिभावान गरीब छात्र इस व्यवस्था की चक्की में पिस रहे थे। सरकारें भी इस संकट से मुंह मोड़े बैठी थीं। इस फर्जीवाड़े से डिग्रियां पाकर युवा जुगाड़ में लग जाते थे, जिससे वे सड़कों पर उतरकर बेरोजगारी का वास्तविक आंकड़ा नहीं बढ़ाते थे और न ही नई नौकरियों की मांग करते थे। कागजों पर सब ठीक देखकर सरकार भी खुश रहती थी। जब कभी पेपर आउट होने की खबर मीडिया में आती, तो कुछ दिनों के लिए हंगामा मचता। विपक्षी दल सड़कें जाम करते, संसद में नारेबाजी होती और टीवी पर बहसें होतीं। जनआक्रोश शांत करने के लिए सरकार एक दिखावटी जांच कमेटी बना देती। पीड़ित छात्र और लाचार अभिभावक कुछ दिनों तक न्याय की उम्मीद में लाठियां खाते और अंत में अपनी किस्मत को कोसते हुए चुप होकर घर बैठ जाते। समय बीतने के साथ सब भुला दिया जाता और अगले साल फिर यही कहानी दोहराई जाती। सजल इस काले धंधे का मुख्य संचालक बनकर ऐश की जिंदगी जी रहा था, पर उसका इंसान पूरी तरह मरा नहीं था। इसी बीच उसे गांव से खबर मिली कि अंकिता ने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद हार नहीं मानी। उसने किसी कोचिंग के बिना, घर के एक छोटे से कमरे में खुद को बंद कर दिन-रात स्वाध्याय किया और इस सत्र की नीट परीक्षा शानदार अंकों के साथ पास कर सरकारी मेडिकल कॉलेज में अपनी सीट पक्की कर ली।

सजल के लिए यह खबर एक करारे तमाचे जैसी थी। जिसके साथ उसने समय बर्बाद किया था, वह अपनी मेहनत से डॉक्टर बनने जा रही थी और वह खुद एक अपराधी बनकर छिपा फिर रहा था। इसके तुरंत बाद उसे एक और भयानक समाचार मिला। पिछली जिस परीक्षा का पेपर सजल के सिंडिकेट ने आउट किया था, उसकी तैयारी सजल का एक बेहद घनिष्ठ, गरीब मित्र सालों से कर रहा था। पेपर लीक होने के कारण जब परीक्षा रद्द हो गई, तो वह योग्य मित्र इस गहरे सदमे और गरीबी से हारकर फांसी पर झूल गया। मित्र की खुदकुशी की खबर से सजल हिल गया। वह छिपते-छिपाते मित्र के गांव पहुंचा। श्मशान घाट पर जलती चिता और बूढ़े माता-पिता का क्रंदन देखकर दूर खड़े सजल का कलेजा फट गया, क्योंकि इस मौत के पीछे कहीं न कहीं उसका ही सिंडिकेट था। जलती चिता के सामने सजल ने एक कठोर संकल्प लिया। उसने पाप की कमाई पर थूका और सिंडिकेट को हमेशा के लिए छोड़ दिया। उसने तय किया कि वह फिर से वही मेधावी सजल बनेगा और खुद अपनी मेहनत से नीट पास करेगा। उसने निश्चय किया कि जब तक वह योग्य डॉक्टर नहीं बन जाता, तब तक न अंकिता से मिलेगा और न माता-पिता को अपना कलंकित चेहरा दिखाएगा। सजल शहर के एक सुदूर कोने में छोटा सा कमरा लेकर रहने लगा। पूरे एक वर्ष तक उसने दिन-रात एक कर दिया। अंकिता की सफलता और मित्र की चिता को याद कर वह हर रोज अठारह-अठारह घंटे पढ़ाई करने लगा। हालांकि, व्यवस्था के दंश से डरा उसका मन आशंकित था, इसलिए उसने प्रशासनिक और कानूनी स्तर पर हर सुरक्षा पक्की कर ली ताकि परीक्षा में कोई विघ्न न आए। उसे पूरा विश्वास था कि अब उसकी तपस्या को सफल होने से कोई नहीं रोक पाएगा। परीक्षा शुरू हुई। तीन दिन तक पेपर बहुत शानदार गए। सजल के चेहरे पर एक साल की कड़ी मेहनत के बाद पहली बार एक पवित्र मुस्कान आई। उसे लगा कि उसके जीवन का अंधकार छटने वाला है और वह अंकिता तथा अपने माता-पिता के काबिल बनने वाला है। लेकिन चौथे दिन सुबह जैसे ही वह परीक्षा केंद्र की ओर बढ़ा, वहां अफरा-तफरी मची थी। पुलिस की गाड़ियां थीं और छात्र सड़कों पर रो-चिल्ला रहे थे। सजल को पता चला कि प्रथम पेपर परीक्षा शुरू होने से महज आधे घंटे पहले ही सोशल मीडिया पर आउट हो गया था, जिसके कारण सरकार ने पूरी परीक्षा को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है। यह सुनते ही सजल के पैरों तले जमीन खिसक गई। उसकी आंखों के सामने अंधेरा छा गया और उसके भीतर भी उसी आत्मघाती अवसाद ने जन्म ले लिया जिससे उसका मित्र गुजरा था। उसका मन हुआ कि वह भी इसी वक्त आत्महत्या कर ले। लेकिन तभी, निराशा के घने कोहरे के बीच उसके अंतर्मन से एक चीख सुनाई दी। उसे अपना अतीत याद आया, जब वह खुद इस सिंडिकेट का हिस्सा था और अपनी तिजोरियां भरने के लिए पेपर आउट करता था, तब देश के कोने-कोने में बैठे न जाने कितने होनहार युवाओं का भविष्य इसी तरह एक झटके में अंधकार में डूब जाता था। आज जब वह खुद उस दर्द से गुजरा, तो उसे अहसास हुआ कि उसने अपने हाथों से कितने मासूमों के सपनों की हत्या की थी। खुद पीड़ित बनकर पेपर आउट होने की इस असहनीय पीड़ा, छात्रों के दारुण दुख और अभिभावकों की लाचारी ने सजल को अंदर तक पूरी तरह हिलाकर रख दिया था। उसे अब समझ आ गया था कि व्यवस्था के इस कैंसर को बदले बिना कोई भी सपना कभी सुरक्षित नहीं रह सकता।

पुस्तक समीक्षा

अपने समय से संवाद का नाम है 'संजय उवाच'

समीक्षक
डॉ. लोकेन्द्र सिंह

मीडिया प्राध्यापक एवं लेखक प्रो. संजय द्विवेदी की नई पुस्तक 'संजय उवाच' उनके चुनिंदा और सारगर्भित भाषणों का उत्कृष्ट संग्रह है। अकादमिक जगत से लेकर सार्वजनिक कार्यक्रमों में उन्होंने जो व्याख्यान दिए, उनको पाठकों के लिए संपादित कर पुस्तक के रूप में प्रस्तुत किया है। ज्यादातर व्याख्यान मीडिया, भाषा और शिक्षा के मुद्दों पर केंद्रित हैं। इसलिए यह पुस्तक मीडिया के विद्यार्थियों एवं इस क्षेत्र में रुचि रखने वालों को अवश्य ही पढ़नी चाहिए। जिस दौर में मीडिया को लेकर अनेक प्रकार की बहस हवा में तैर रही हैं, तब उस बहस में भारतीय दृष्टिकोण से एक महत्वपूर्ण हस्तक्षेप प्रो. संजय द्विवेदी का नजर आता है। संवाद से सुंदर बनेगी दुनिया, जड़ों की ओर लौटे मीडिया और जरूरी है मीडिया का भारतीयकरण- ये व्याख्यान मीडिया पर चल रही बहस को सार्थक दिशा देने का प्रयास हैं। इसके अलावा, पुस्तक में

भारत के नायकों, साहित्यकारों और समसामयिक विमर्श पर भी सारगर्भित विचार पढ़े जा सकते हैं। एक पंक्ति में कहें तो, इस पुस्तक में संकलित व्याख्यान पत्रकारिता, समाज, शिक्षा, भाषा और आज के समाज के विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर एक सार्थक और सकारात्मक विमर्श प्रस्तुत करते हैं। प्रो. संजय द्विवेदी ने अपने समय के साथ जो संवाद किया है, उसको संकलित और संपादित करके 'संजय उवाच' के रूप में अपने पाठकों के सामने प्रस्तुत कर दिया है। यह एक प्रकार से प्रो. द्विवेदी के बौद्धिक हस्तक्षेप का दस्तावेजीकरण है। प्रो. द्विवेदी की भाषा इतनी सहज-सरल और सरस है कि लिखा हुआ भी हमें सुनाई देता है, जो सहज ही पाठकों के अंतर्मन तक अपनी छाप छोड़ने का सामर्थ्य रखता है। लेखक की चिंता के केंद्र में निरंतर 'भारतबोध' और अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति का कल्याण झलकता है। इसके अलावा, प्रो. द्विवेदी ने प्रिंट और डिजिटल मीडिया के समक्ष उपस्थित चुनौतियों का सूक्ष्म विश्लेषण किया है। वे स्पष्ट करते हैं कि तकनीकी बदलावों या सोशल मीडिया के आने मात्र से प्रिंट मीडिया का भविष्य खतरे में नहीं है। प्रो. द्विवेदी 'फेक न्यूज' और 'इन्फोडेमिक' (सूचनाओं के महाविस्फोट) के इस दौर में 'मीडिया साक्षरता' को न केवल छात्रों के लिए, बल्कि संपूर्ण समाज और प्रशासनिक अधिकारियों के लिए भी अत्यंत अनिवार्य मानते हैं ताकि समाज में फैल रहे दुष्प्रभावों को रोका जा सके। उनका मानना है कि मीडिया का कार्य केवल सूचना देना नहीं, बल्कि पाठकों को बौद्धिक रूप से उन्नत करना भी है। पुस्तक के प्रकाशन की गुणवत्ता बेहतरीन है। नई दिल्ली के शिल्पायन पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स ने इसे प्रकाशित किया है। यह पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

कवि कॉर्नर

कविता — कमला राठी

मेरे प्रभु

बहुत गयी थोड़ी रही
बाक़ी भी चुक जाए
समय-समय का फेर है
कोई आए कोई जाए

मैं जिनको अपना कहूँ
वो सब तेरी देन
थकत नहीं जिह्वा मेरी
अपना-अपना कहन

सुख में साथ अनेक हैं
दुःख में लें मुख मोड़
सब की आशा छोड़ कर
बस एकहु से मन जोड़

सुख-दुःख तो दिन रैन हैं
एक आवै एक जाय
सुख के पीछे क्यूं पड़ें
जब दुःख में राम सहाय

कविता — प्रो. ज्योति राज

ग़रीबी

अनचुपड़ी रोटी सी
पैबंद लगी धोती सी
दरारों भरी सोटी सी
उलझी हुई चोटी सी
सताती है ग़रीबी

धुँधलाए चश्मे सी
घिसी चप्पल सी
अधछूटी तुरपाई सी
उधड़ी सीवन सी
लजाती है ग़रीबी

कुम्हलाए गात सी
थकी औरत जात सी
रूखे चावल भात सी
दर्द में डूबी रात सी
थकाती है ग़रीबी

बिगड़ी हुई बात सी
स्याही जमी दवात सी
पस्त पड़े परवाज़ सी
थेगलियों के टाट सी
चिड़ाती है ग़रीबी

साहित्य एक किस्म का यज्ञ : डॉ. लांगायन

व्यक्तित्व — डॉ. ओमप्रकाश कादयान

डॉ. रामभक्त लांगायन

आई.ए.एस. के रूप में विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएं देते हुए सेवानिवृत्ति के उपरांत इन्होंने अपना जीवन साहित्य-सृजन तथा समाज सेवा को समर्पित कर दिया। अधिक व्यस्तताओं के चलते भी इन्होंने बहुत सी बेहतरीन पुस्तकें लिखी तथा प्रकाशित करवाई। साहित्य के प्रति इनका लगाव तथा समाज-मार्गदर्शन की भावना का ही सुपरिणाम है कि अब तक इनकी लिखित, सम्पादित करीब 48 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं।

डॉ. रामभक्त लांगायन एक ऐसी शख्सियत हैं जिन्होंने साहित्यकार, समाजसेवक तथा एक ईमानदार उच्च अधिकारी के रूप में एक साथ नाम कमाया है। ये जहां कर्मठ, ईमानदार, मेहनती व सुलझे हुए आई.ए.एस. अधिकारी रहे, वहीं अनुभवी, ऊर्जावान, साहित्यकार तथा समर्पित समाज सेवी हैं। आई.ए.एस. के रूप में विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएं देते हुए सेवानिवृत्ति के उपरांत इन्होंने अपना जीवन साहित्य-सृजन तथा समाज सेवा को समर्पित कर दिया। विभिन्न पदों पर रहते हुए, अधिक व्यस्तताओं के चलते भी इन्होंने बहुत सी बेहतरीन पुस्तकें लिखी तथा प्रकाशित करवाई।

साहित्य के प्रति इनका लगाव तथा समाज-मार्गदर्शन की भावना का ही सुपरिणाम है कि अब तक डॉ. रामभक्त लांगायन द्वारा लिखित, सम्पादित करीब 48 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। नारी उत्थान के लिए, बेटियों के सम्मान के लिए, विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के लिए, हरियाणवी संस्कृति के प्रचार-प्रसार, संत-महात्माओं के विचार आम आदमी तक पहुंचाने के लिए, धर्म को जानने व शहीदों के गुणगान के लिए डॉ. रामभक्त लांगायन ने अनेक पुस्तकें लिखी हैं। इनका मानना है कि आज मशीनरी के युग में बहुत जरूरी हो गया है कि हम देश के युवाओं व विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति व प्रकृति से प्रेम करना सिखाएं, वो अपने देश व समाज के उत्थान की सोचें। वो केवल अपने लिए न जीकर दूसरों का भी सम्मान करें। वो अपने देश को, समाज को, प्रकृति को, अपनी संस्कृति को जानें। इन सबके लिए पुस्तकें सबसे अच्छा माध्यम हैं। इसलिए मैं प्रयास करता हूं कि मैं बच्चों को, युवाओं को प्रेरणा देने वाली पुस्तकें दे सकूं। लेखक का मानना है कि साहित्य एक किस्म का यज्ञ है। अच्छा साहित्य अच्छे समाज का निर्माण करता है। समाज में जब भी कोई बड़ा परिवर्तन हुआ है उसके पीछे साहित्य की शक्ति छुपी होती है। कई बार सारगर्भित कुछ पंक्तियां ही लोगों का विचार व भावना बदल देती हैं। इसलिए साहित्य का अध्ययन हम सबको करना चाहिए। बच्चों व युवाओं के मन पर तो श्रेष्ठ साहित्य गहरा असर डालता है। अगर हम विद्यार्थियों या युवाओं को अच्छी-अच्छी कहानियां, कविताएं और महापुरूषों की जीवनियां पढ़ने के लिए देंगे तो वे अवश्य महापुरूषों के पदचिन्हों पर चलेंगे। डॉ. लांगायन संस्कृत व हिंदी दोनों भाषाओं में एक साथ लिख रहे हैं। इन्हें भारतीय संस्कृति से गहरा लगाव है। जीवन के उदात मूल्यों में इनकी गहरी आस्था है। यही कारण है कि इनका साहित्य भी इसी तरह का है। ये साहित्य के माध्यम से बच्चों में राष्ट्रभक्ति व संस्कार भरना चाहते हैं। डॉ. रामभक्त लांगायन का संपूर्ण जीवन इन्हीं आदर्श जीवन-मूल्यों पर आधारित है। इसके साथ-साथ डॉ. लांगायन दलित समाज के उत्थान का कार्य कर रहे हैं। ये निर्धन, निस्सहाय बच्चों की शिक्षा का उचित प्रबंध भी करते हैं ताकि उनका भावी जीवन श्रेष्ठ हो सके। वर्तमान में ये अम्बेडकर छात्रावास के माध्यम से उनके सामाजिक, शैक्षणिक संरक्षण व उत्कर्ष का उत्तम कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुझे कॉलेज समय से पहले ही लिखने का शौक था। पत्र-पत्रिकाओं में लेख छपते रहते थे। धीरे-धीरे पुस्तक प्रकाशन आरंभ हुआ।

फिलहाल संत रविदास के जीवन चरित्र पर एक पुस्तक प्रकाशित हो चुकी हैं। दो पुस्तकें प्रकाशाधीन हैं। 15 अगस्त 1946 को रोहतक के सुडाना गांव में जन्मे, वैश्य कॉलेज, पंजाबी विश्वविपटियाला, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र से शिक्षा ग्रहण करने वाले साहित्यकार, डॉ. रामभक्त लांगायन आजकल कुरूक्षेत्र में रह रहे हैं।

कुछ हटकर

बी.टेक एरोनॉटिकल के बाद एविएशन, रक्षा क्षेत्र में अवसर

डॉ. मोहित बंसल
करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी इन एरोनॉटिकल इंजीनियरिंग (बी.टेक एरोनॉटिकल इंजीनियरिंग) चार वर्षीय तकनीकी स्नातक पाठ्यक्रम है, जो विद्यार्थियों को विमान, हेलीकॉप्टर, ड्रोन, स्पेसक्राफ्ट और एयरोस्पेस प्रणालियों के डिजाइन, निर्माण, परीक्षण और रखरखाव की गहन समझ प्रदान करता है। इसमें प्रायः एरोडायनामिक्स, एयरक्राफ्ट स्ट्रक्चर, प्रोपल्शन सिस्टम, फ्लाइट मैकेनिक्स, एवियोनिक्स, गैस टर्बाइन इंजन, कम्प्यूटेशनल फ्लूड डायनेमिक्स, एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस, कंट्रोल सिस्टम्स, थर्मोडायनामिक्स और स्पेस टेक्नोलॉजी जैसे विषयों का अध्ययन कराया जाता है।

उद्योगों में महत्व

इन विषयों का उद्योगों में अत्यधिक महत्व है। एरोडायनामिक्स विमान की गति, स्थिरता और ईंधन दक्षता को निर्धारित करता है, जबकि प्रोपल्शन सिस्टम विमान को शक्ति प्रदान करने वाली तकनीकों को समझाता है।

विशेषज्ञताएं

- एवियोनिक्स सिस्टम
- प्रोपल्शन एवं इंजन टेक्नोलॉजी
- ड्रोन एवं यूएवी टेक्नोलॉजी
- स्पेस एवं रॉकेट प्रौद्योगिकी
- फ्लाइट टेस्टिंग एवं मेंटेनेंस
- कम्प्यूटेशनल फ्लूड डायनेमिक्स (सीएफडी)
- रक्षा एवं मिसाइल तकनीक
- एयरक्राफ्ट मैन्युफैक्चरिंग
- एयर ट्रांसपोर्ट एवं एविएशन मैनेजमेंट।

इनका प्रत्यक्ष उपयोग विमान निर्माण, रक्षा अनुसंधान, स्पेस मिशन, ड्रोन टेक्नोलॉजी, एयरलाइन संचालन आदि में होता है।

आवश्यक कौशल

तकनीकी ड्रॉइंग एवं डिजाइन सॉफ्टवेयर की समझ, कम्प्यूटेशनल फ्लूड डायनेमिक्स एवं सिमुलेशन टूल्स का ज्ञान, एयरक्राफ्ट सिस्टम एवं एवियोनिक्स की कार्यप्रणाली की समझ, समस्या समाधान एवं विश्लेषणात्मक सोच, अनुसंधान एवं तकनीकी नवाचार क्षमता, परियोजना प्रबंधन आदि।

सरकारी क्षेत्र में विकल्प

- रक्षा एवं अनुसंधान संस्थान
- डीआरडीओ वैज्ञानिक/इंजीनियर पद
- इसरो वैज्ञानिक एवं तकनीकी पद

आय-सीमा (सरकारी क्षेत्र):

- फ्रेशर: लगभग ₹5.0–₹9.0 लाख वार्षिक (विभाग अनुसार)
- अनुभवी/वरिष्ठ: लगभग ₹12–₹25 लाख वार्षिक; रक्षा एवं अनुसंधान संगठनों में अतिरिक्त भत्ते एवं सुविधाएँ उपलब्ध

निजी क्षेत्र में विकल्प

- एयरक्राफ्ट डिजाइन एवं निर्माण
- डिजाइन इंजीनियर, एयरक्राफ्ट स्ट्रक्चर इंजीनियर
- प्रोडक्शन इंजीनियर
- क्वालिटी कंट्रोल एवं टेस्टिंग इंजीनियर,

आय सीमा : फ्रेशर: लगभग ₹4.0–₹8.0 लाख वार्षिक
अनुभवी (5–10 वर्ष): लगभग ₹10–₹28 लाख वार्षिक; अंतरराष्ट्रीय एविएशन कंपनियों/रक्षा परियोजनाओं में अधिक अवसर सम्भव।

सुझाव: किसी भी करियर का चुनाव करने से पहले किसी योग्य करियर सलाहकार से सलाह अवश्य लें। अधिक जानकारी के लिए आप **Career Jaano** पर भी विजिट कर सकते हैं।

मोटिवेशनल

अनुशासन बनाम मोटिवेशन स्थायी सफलता का सूत्र

विपुल शर्मा
मोटिवेशनल स्पीकर

1. मोटिवेशन का आकर्षण, अनुशासन की शक्ति
आज का युवा मोटिवेशनल वीडियो, रील्स और प्रेरणादायक भाषणों से भरा हुआ है। कुछ मिनटों के लिए ऊर्जा बढ़ती है, लक्ष्य स्पष्ट दिखने लगता है और हम सोचते हैं "अब सब बदल जाएगा।" कुछ ही दिनों में वही उत्साह कम हो जाता है। यही कारण है कि केवल मोटिवेशन पर निर्भर रहना स्थायी सफलता की गारंटी नहीं है।मोटिवेशन क्षणिक होता है, अनुशासन स्थायी।

2. मोटिवेशन क्यों टिकता नहीं?
मोटिवेशन भावनाओं पर आधारित होता है। जब हम किसी सफलता की कहानी सुनते हैं या किसी उपलब्धि से प्रभावित होते हैं, तो भावनात्मक रूप से प्रेरित हो जाते हैं। लेकिन भावनाएं स्थायी नहीं होतीं। भारतीय युवाओं के सामने आज प्रतियोगी परीक्षाएँ, करियर की अनिश्चितता और सोशल मीडिया का दबाव है। ऐसे में केवल प्रेरणा के भरोसे चलना मुश्किल है।

3. अनुशासन: रोज़ की छोटी जीत
अनुशासन का अर्थ है अपने लक्ष्य के अनुसार रोज व्यवहार करना, चाहे मन करे या न करे। रोज छोटे-छोटे नियम अपनाएं। साधारण नियम ही असाधारण परिणाम देते हैं।

4. सोशल मीडिया के दौर में आत्म-नियंत्रण
आज सबसे बड़ी चुनौती है, ध्यान भटकना। रील्स, गेम्स, लगातार नोटिफिकेशन, ये सब समय और ऊर्जा को धीरे-धीरे खत्म कर देते हैं। अनुशासन का अर्थ है अपने समय और ध्यान पर नियंत्रण। जो युवा स्वयं पर नियंत्रण रखता है, वही अपने लक्ष्य पर नियंत्रण पा सकता है।

5. सफलता का वैज्ञानिक दृष्टिकोण
सफलता अचानक नहीं आती। यह आदतों का परिणाम होती है। जब आप रोज एक ही समय पर मेहनत करते हैं, तो आपका मस्तिष्क उस रूटीन का आदी हो जाता है। धीरे-धीरे वही काम आपकी पहचान बन जाता है। अनुशासन का जितना अभ्यास करेंगे, उतना मजबूत होगा।

लघु कथा

भूल-सुधार

सब्जी काटते-काटते उसे पता ही नहीं लगा कि ऊंगली से खून बह रहा है।
पतीली के ढक्कन पर लाल-लाल बूंदें दिखी तो ध्यान गया। दर्द तो कब का हो रहा था।
परन्तु इन दर्दों की परवाह करने बैठ गयी तो ...।

आशा खत्री 'लता'
कहानीकार

देखा काफी गहरा घाव था। खून को थामने के प्रयास में पांच मिनट विलम्ब हो गया। तुरत-फुरत बिटिया का टिफिन तैयार किया। टिफिन पर शायद आटे के कुछ कण चिपक गए थे। बेटी ने एक बार टिफिन को देखा और फिर उसे घूरा।
'बेटा, ऊंगली कट गयी थी।'
उसने कुछ सहानुभूति की उम्मीद लिए बेटी की ओर देखते हुए कटी ऊंगली को दूसरे हाथ की ऊंगलियों से दबाते हुए कहा।
बेटी ने घूरते हुए उसकी ओर देखा और हाई हील की सेंडिल खट-खट करती हुए बाहर निकल गयी।
शकुन धम से कुर्सी पर गिर गयी। कितना खटती है वह दिन-रात, सब वक्त पर तैयार, सबके स्वाद का ध्यान। किसी से कुछ कहना नहीं, किसी से कुछ अपेक्षा नहीं, फिर भी दो शब्द अपनेपन के नहीं उसके लिए।
उसे लगा कहीं बेटी को जिंदगी का पाठ पढ़ाने में उसी से तो कोई गलती नहीं हो गई।
दिन भर इसी पर मंथन करते वह निष्कर्ष पर पहुंच चुकी थी।
अगले दिन- 'उठो तनु आज खाना खुद बना कर ले जाना है।'
मैं कैंटीन से कुछ ले लूंगी
'ले लेना, पर पापा के लिए तो बना दो, मेरी ऊंगली में दर्द है।'
'आज से पहले तो आपने मुझ से कुछ करवाया नहीं ?'
'हां तनु, पर वह मेरी गलती थी, जिसे मैं और आगे नहीं ले जाना चाहती। धूप-छांव का अहसास तो तभी होगा, जब सफ़र पर निकलोगी।'
कहते हुई शकुन घर के दूसरे कामों में व्यस्त हो गई।

खबर संक्षेप

शिविर में 47 यूनिट रक्त किया एकत्रित

बहादुरगढ़। नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट बाढ़सा के सहयोग से शहर के नारायण हार्ट एंड न्यूरो सुपर स्पेशलिस्ट अस्पताल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान कुल 47 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। रक्तदाताओं को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। महिला थाना एसएचओ नीलम, जितेंद्र सांगवान, ओमबीर छिकारा, विनोद शर्मा व अजय ग्रेवाल आदि ने रक्तदाताओं को प्रोत्साहित किया।

ऐतिहासिक गांव पाकस्मा में वैदिक प्रचार ने गति पकड़ी

रोहतक। वैदिक प्रचार और आर्यसामाजिक दृष्टि से प्रदेश भर में प्रसिद्ध रहे गांव पाकस्मा में सनातन वैदिक प्रचार की गति बढ़ती जा रही है। जहां गांव के आर्यसमाज में मंदिर में साप्ताहिक यज्ञ व सत्संग का कार्यक्रम निरन्तर अनेक वर्षों से चलता आ रहा है। अब खंदराण पाने के लालचन्द ठोले की चौपाल में प्रत्येक दूसरी अमावस्या को यज्ञ तथा सत्संग का कार्यक्रम भी आरम्भ किया गया है। दिलबाग सिंह की अध्यक्षता में आर्यसमाज समिति पाकस्मा ने कड़ी मेहनत तथा श्रद्धा से यह कार्यक्रम शुरु किया है। सोमवार को यह आयोजन बडी धूमधाम से किया जाएगा। वैदिक विद्वान श्रीकृष्णदेव शास्त्री यज्ञ ब्रह्मा होंगे। योगाचार्या बहन दयावती के मधुर गीतों के साथ हरयाणा के प्रसिद्ध भजनोपदेशक भास्कर के संगीतमय प्रचार की धूम रहेगी। गांव के लोगों और महिलाओं में आयोजन के प्रति उत्साह देखा जा रहा है।

तंबाकू निषेध दिवस पर स्वास्थ्य शिविर

रोहतक। विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर संतोष कैंसर फाउंडेशन और वी केयर मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल के सहयोग से गांव बेहलबा की छोटू राम धर्मशाला में निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर, जागरूकता कार्यक्रम और खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।शिविर में 100 से अधिक ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की गई और उन्हें निशुल्क दवाइयां दी गईं। विशेषज्ञ डॉक्टरों ने ईएनटी, हड्डी रोग व अन्य बीमारियों की जांच कर परामर्श दिया तथा तंबाकू सेवन से होने वाले गंभीर रोगों के बारे में जागरूक किया।मुख्य अतिथि पहलवान मोनू टाइगर ने युवाओं से नशे से दूर रहकर खेलों को अपनाने की अपील की। कार्यक्रम में करीब 150 खिलाड़ियों ने कुश्ती और खो-खो प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। आयोजकों ने नशामुक्त और स्वस्थ समाज का संदेश दिया।

काहनौर में महिला ने फांसी लगाकर जान दी

रोहतक। कस्बा कलानौर के गांव काहनौर में एक विवाहिता ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू कर दी। शव पोस्टमार्टम के लिए पीजीआई में रखवाया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक काहनौर में रीना पत्नी मनोज के दो बच्चे हैं। उसका पति मजदूरी करता है। घरेलू कारणों से वह परेशान चल रही थी। इस वजह से उसने अपने घर पर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

बुजुर्ग का शव मिला नहीं हुई पहचान

रोहतक। सिटी थाना क्षेत्र स्थित प्राचीन श्री शीतला माता मंदिर के पास एक बुजुर्ग का शव मिला है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन की। मृतक की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस से के अनुसार सुबह प्राचीन शीतला माता मंदिर के पिछले द्वार के पास बुजुर्ग का शव मिला। जिसकी शिनाख्त नहीं हो पाई।

जेएलएन में डूबे लड़के का नहीं मिला सुराग

रोहतक। दिल्ली बाइपास स्थित जवाहरलाल नेहरू नहर में डूबे लड़के का दूसरे दिन रविवार को भी कोई सुराग नहीं मिल पाया। पुलिस और गोताखोर की टीम ने कई किलोमीटर दूर तक किशोर की तलाश की लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। जिससे परिवार सदमे में है। लड़के की पहचान जनता कॉलोनी निवासी नाबालिग के रूप में हुई है, जो नहर पर एक लड़की के साथ गया हुआ था।

संत कबीर के आदर्शों पर चलकर ही बनेगा सशक्त समाज

संत कबीर जयंती समारोह में किया मेधावी छात्रों का सम्मान

कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल ने की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

संत कबीर विचार सेवा समिति द्वारा रविवार को नाहरा-नाहरी रोड स्थित धर्मशाला में 629वां संत कबीर जयंती समारोह मनाया गया। इसमें मुख्यअतिथि के रूप में विधायक राजेश जून ने शिरकत की। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल ने की। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री अनूप धानक, विशिष्ट अतिथि के तौर पर चेयरमैन रविंद्र दिलावर, खरखौदा नप अध्यक्ष हीरालाल इंदौरा, धर्मवीर क्रांति व पार्षद राजबाला मौजूद रहे। कार्यक्रम में आरबी सिंह, भूप सिंह खांगवान, वीरेंद्र स्वामी, धनराज निलानिया, मंगत इंदौरा, उमेश नागर, पवन खन्ना, प्रधान रामपाल मुंडिया, महासचिव भीम सिंह नागर, जीतराम सरपंच, वेदपाल मोहर, डॉ. कप्तान, राजू मंदारिया, विनोद खटक, स्वरूप लड़वाल, राजू नागर, राजेश, बंसी खटक, मुकेश, ईश्वर, रामेहर, राज कपूर, चांदीराम, धर्म सिंह, वेदपाल, सुनील, सतबीर बागड़ी, कलम सिंह, जितेंद्र डाबला, दयानंद बामडोली, सुखबीर आर्य, धर्मवीर मंदरिया, सुमित डाबला, जितेंद्र, रामकिशन व एसीपी सुरेश आदि मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। विधायक राजेश जून को स्मृति चिह्न देते पूर्व सांसद, पूर्व मंत्री व आयोजक। फोटो: हरिभूमि

संत कबीर के चित्र पर किए पुष्प अर्पित

विधायक राजेश जून ने संत कबीर साहेब की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धापूर्वक नमन किया और उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। कार्यक्रम में शिक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाओं तथा सरकारी नौकरियों में चयनित युवाओं को सम्मानित किया गया। राजेश जून ने कहा कि संत कबीर साहेब ने समाज को एकता, भाईचारे और मानवता का संदेश दिया। उनके विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। समाज की होनहार प्रतिभाओं का सम्मान करना अत्यंत सराहनीय पहल है, क्योंकि इससे युवाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।

विधायक ने लोवा खुर्द में दी विकास कार्यों की कई सौगातें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

गांव लोवा खुर्द में रविवार को विकास कार्यों को गति देते हुए विधायक राजेश जून ने विधायक निधि एवं ग्राम पंचायत फंड से होने वाले तीन महत्वपूर्ण विकास कार्यों का उद्घाटन एवं शुभारंभ किया। ग्रामीणों ने विधायक का स्वागत करने के साथ ही आभार जताया।

विधायक राजेश जून ने सोलधा से लोवा खुर्द तक बने सड़क मार्ग के दोनों ओर लगाई गई टाइल कार्य के अलावा गांव के स्टेडियम में किए गए सौंदर्यकरण कार्य का उद्घाटन किया। साथ ही रिटेनिंग वॉल निर्माण कार्य का शुभारंभ भी किया। राजेश जून ने कहा कि सीएम नायब सैनी के नेतृत्व में प्रदेश के साथ ही बहादुरगढ़ हलके में तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं। नायब सरकार का उद्देश्य शहरों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करना है, ताकि लोगों को बेहतर जीवन स्तर उपलब्ध कराया जा सके। विकास कार्यों के माध्यम से लोगों को अधिक से अधिक सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। सड़क, खेल, सौंदर्यकरण और आधारभूत ढांचे से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है।

बहादुरगढ़। लोवा खुर्द में उद्घाटन करते विधायक राजेश जून।

शिविर में पुलिसकर्मियों ने रक्तदान कर कमाया पुण्य

झज्जर। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर शहीद भगत सिंह ब्लड बैंक द्वारा पुलिस लाइन परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पुरुष पुलिसकर्मियों के साथ-साथ महिला पुलिसकर्मियों ने भी बढ़-चढ़कर अपनी सहभागिता दर्ज कराई। पुलिस कमिश्नर डॉक्टर राजश्री सिंह ने कहा कि रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवाओं में से एक है। उन्होंने कहा कि रक्तदान करें, जीवन बचाएं और मानवता का धर्म निभाएं। उन्होंने कहा कि आपका एक छोटा सा कदम किसी की जिंदगी बचा सकता है। रक्तदान महादान है, इसलिए प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को नियमित रूप से

रक्तदान करने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि रक्तदान से न केवल जरूरतमंदों को जीवनदान मिलता है, बल्कि रक्तदाता का स्वास्थ्य भी बेहतर बना रहता है।

बहादुरगढ़। विनोद स्वामी को स्मृति चिह्न भेंट करते राम अहलावत।

ग्रेपलिंग एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष का अभिनंदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

ग्रेपलिंग कुश्ती झज्जर के चेयरमैन ने एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व ओएसडी विनोद स्वामी से मुलाकात की। शोल ओढ़ाकर उनका अभिनंदन किया और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। रोहतक के सर्किट हाउस में हुई मुलाकात के दौरान ग्रेपलिंग कुश्ती व खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने को लेकर मंथन हुआ। अहलावत ने कहा कि विनोद स्वामी के नेतृत्व में ग्रेपलिंग कुश्ती को नई पहचान मिली है। इस अवसर पर निकास पहलवान सहित अन्य उपस्थित रहे।

केंद्र सरकार के 12 साल पूरे होने पर भाजपाइयों ने निकाली प्रगति पदयात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रविवार को प्रगति पथ यात्रा निकाली गई। यह पदयात्रा सेक्टर-6 स्थित ताऊ देवीलाल पार्क की पहली पुलिया से शुरू होकर दिल्ली-रोहतक रोड स्थित शहीद स्मारक पर संपन्न हुई। यात्रा के दौरान देशभक्ति के नारों के बीच कार्यकर्ताओं में खूब उत्साह दिखा।

भाजपा के बहादुरगढ़ विधानसभा संयोजक दिनेश कौशिक, अभियान के जिला सह-संयोजक दिनेश सिंह शेखावत, चेयरपर्सन सरोज राठी तथा पूर्व जिलाध्यक्ष राजपाल जांगड़ा ने यात्रा के दौरान कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते हुए सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। भाजपा नेताओं ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्ष सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित रहे हैं। शहीद स्मारक पर भाजपाइयों ने अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान मंडल अध्यक्ष संजय सैनी, पंकज गर्ग, सुदेश रंगा, राजवीर गांधी, चेयरमैन विनोद कौशिक, प्रदीप गुप्ता, अमित कसार, नरेश भारद्वाज, जयकिशन छिल्लर, सोनू मान, कर्मवीर राठी, पार्षद सत्यप्रकाश छिकारा, भीम सिंह प्रणामी, हरिमोहन धाकरे, राजेश तंवर, राजबाला, गौरव राठी व राम अहलावत समेत अनेक भाजपाई शामिल रहे।

बहादुरगढ़। रविवार को दिल्ली-रोहतक रोड पर प्रगति पदयात्रा निकालते भाजपाई।

बहादुरगढ़। अभियान के तहत पौधारोपण करते शिल्पकार। फोटो: हरिभूमि

शिल्पकारों ने किया पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

हस्तशिल्प सेवा केंद्र रेवाड़ी द्वारा रविवार को बहादुरगढ़ में एक पेड़ मां के नाम मुहिम के तहत पौधारोपण किया गया। इस दौरान राष्ट्रीय पुरस्कार विजेताओं समेत अनेक शिल्पकारों ने पौधे लगाए। रूरल एंड अर्बन डेवलपमेंट फाउंडेशन तथा प्राचीन कारीगर संगठन से जुड़े नेशनल अवार्डी महावीर प्रसाद बौंदवाल, शिल्पगुरु राजेंद्र प्रसाद बौंदवाल, नेशनल अवार्डी चंद्रकांत बोंदवाल, ममता, लक्ष्य व देव आदि ने पौधे रोपे। साथ ही पौधों की देखभाल करने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों में सक्रिय सहयोग देने का संकल्प भी लिया।

बहादुरगढ़ और लोवा खुर्द ने जीते फुटबाल के रोमांचक मुकाबले

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

गांव लोवा खुर्द में लव कुश लीग के तहत फुटबॉल के मुकाबले जारी है। रविवार को लीग के तहत 4 मुकाबले खेले गए। बहादुरगढ़ व लोवा खुर्द की टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुकाबले जीते।

अंडर-13 में सिटी बहादुरगढ़ स्टॉर्म ने बहादुरगढ़ टीम डेवलपमेंट 6-0 से हराया। वहीं, लोवा खुर्द स्पोर्ट्स क्लब ने लोवा खुर्द टीम बी को 7-1 के अंतर से मात दी। अंडर-15 में सिटी लोवा खुर्द स्पोर्ट्स क्लब ने देसलपुर टीम को 5-0 के अंतर से से हरा दिया। जबकि सिटी बहादुरगढ़ अनस्टॉपेबल ने बहादुरगढ़ टीम 5-1 के अंतर से जीत दर्ज की। इस दौरान स्टेडियम में पहुंचे विधायक राजेश जून का सरपंच विनोद जून, समिति प्रधान नरेश कुमार व सदस्यों ने स्वागत किया। कोच सुदर्शन ने बताया कि लीग में 34 टीमों ने भाग लिया था। काफी प्रतिभाएं उबरकर सामने आई हैं। लीग अंतिम चरण में पहुंच रही है। आगामी 27 जून को फाइनल खेला जाएगा। समापन समारोह में विधायक राजेश जून बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। इसके बाद गर्ल्स लीग का आगाज किया जाएगा।

बहादुरगढ़। गोल के लिए बॉल को किक लगाने की कोशिश में खिलाड़ी।

पीड़ित दुकानदार आज प्रशासन को सौंपेंगे शपथ पत्र व कागजात

रोहतक। डी पार्क मार्केट में हुए भीषण अग्निकांड के बाद प्रभावित दुकानदार अब राहत और मुआवजे को लेकर प्रशासन पर निर्भर हैं। हादसे में 12 दुकानें जलकर राख हो गई थीं और तीन युवकों की मौत से शहर में शोक का माहौल है। प्रशासन द्वारा गठित कमेटी सोमवार को पीड़ित दुकानदारों से शपथ पत्र और जरूरी दस्तावेज लेगी, जिसके आधार पर नुकसान का आकलन कर मुआवजा प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। प्रशासन ने एक सप्ताह के भीतर राहत राशि जारी करने का आश्वासन दिया है। एक ओर जहां नुकसान का मूल्यांकन किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर मजिस्ट्रेट जांच में आग लगने के कारणों और सुरक्षा खामियों की पड़ताल की जा रही है।व्यापारियों का कहना है कि उन्हें करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से ग्रीन बेल्ट की सुध लेने की मांग उठाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

सेक्टर-2 की ग्रीन बेल्ट वर्षों से बदहाल पड़ी है। जगह जगह झाड़ियां उगी हैं तो कुछ जगहों पर अवैध रास्ते बना दिए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता नवीन सिंगल ने इस ग्रीन बेल्ट की सुध लेने की मांग उठाई है।

इस संबंध में उन्होंने एक्स पर पीएमओ इंडिया, मुख्य मंत्री नायब सैनी, डीसी झज्जर और एसडीएम बहादुरगढ़ को समस्या उठाते हुए टैग किया है। एडवोकेट नवीन सिंगल का कहना है कि प्रेम नगर के मुहाने से लेकर करीब एक किलोमीटर दूर तक यह ग्रीन बेल्ट है। पिछले करीब 20 वर्षों से इसकी किसी ने सुध नहीं ली। हालात ये हैं कि इसमें झाड़ियां उगी हुई हैं। कुछ जगह गंदगी की भरमार है तो कुछ जगहों पर कट लगाकर अवैध रास्ते बना दिए गए हैं। ये स्वच्छता और सुरक्षा दोनों लिहाज से ठीक नहीं है। बीच में भाजपा नेता दिनेश कौशिक के कार्यालय के निकट ग्रीन बेल्ट सुंदर व बेहतर है। उसी तर्ज पर यह पूरी ग्रीन बेल्ट विकसित कर दी जाए तो काफी बेहतर हो। मानसून से पहले बेल्ट की दीवार बनाकर इसमें मिट्टी डाली जाए और पौधारोपण किया जाए। बहादुरगढ़ में वैसे भी हरियाली का बेहद अभाव है। यदि ग्रीन बेल्ट बेहतर ढंग विकसित होती है तो इलाके की सुंदरता बढ़ेगी और लोगों को भी बेहतर वातावरण मिलेगा।

बहादुरगढ़। बदहाल पड़ी सेक्टर-2 की ग्रीन बेल्ट।

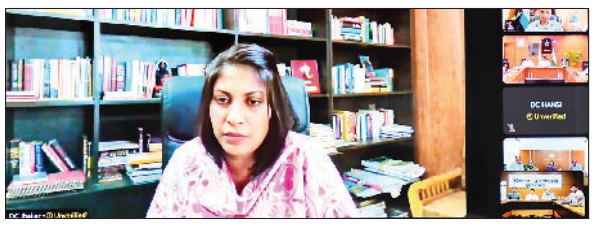

झज्जर। वीसी के माध्यम से सीईओ हरियाणा को जानकारी देते हुए डीसी वर्षा खांगवाल। फोटो :हरिभूमि

एसआईआर को लेकर सभी तैयारियां पूरी : उपायुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को लेकर प्रशासन पूरी तरह से सजग है। डीसी वर्षा खांगवाल ने इस संदर्भ में मुख्य निर्वाचन अधिकारी ए.श्रीनिवास को वीसी के माध्यम से विस्तार से जानकारी दी। डीसी ने बताया कि जिले में अभियान के सफल आयोजन को लेकर सभी व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने बताया कि 15 जून से 14 जुलाई तक इस मुहिम में आमजन की सक्रिय भागीदारी रहेगी। उन्होंने बताया कि बीएलओ को घर घर दस्तक देने के लिए पूरी जानकारी दे दी गई है और लोगों से सहयोग की अपील की जा रही है।

संजीवनी अस्पताल में 451 ने किया रक्तदान

रक्तदान करने वालों को बैज लगाकर किया सम्मानित

जरूरतमंदों की मदद के लिए प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को नियमित रूप से रक्तदान करना चाहिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

विश्व रक्तदाता दिवस पर शहर के ब्रह्मशक्ति संजीवनी अस्पताल में आयोजित शिविर में 451 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। समपाला धाम के मंजीत नाथ महाराज तथा नया नाथ धाम के रामानंद महाराज के साथ विधायक राजेश जून ने दीप प्रज्वलित कर शिविर का शुभारंभ किया। ब्रह्मशक्ति संजीवनी अस्पताल के निदेशक डॉ. मनीष शर्मा ने चेयरपर्सन सरोज राठी, पूर्व विधायक नरेश कौशिक व सचिन राजेश जून समेत अन्य अतिथियों ने रक्तदाताओं को बैज लगाकर तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। अस्तपाल मैनेजर विक्की शर्मा व ब्लड बैंक इंचार्ज सुमन शर्मा ने बताया कि कैंप में युवाओं ने बढ़-चढ़कर रक्तदान किया और कुल 451 यूनिट रक्त संचय हुआ। विधायक राजेश जून ने कहा कि जरूरतमंदों की मदद के लिए प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को नियमित रूप से रक्तदान करना चाहिए। डॉ. मनीष शर्मा ने कहा कि रक्त का कोई विकल्प नहीं है। एक स्वस्थ व्यक्ति हर तीन महीने में रक्तदान कर सकता है। शिविर के आयोजन में भगत सिंह मैत्री संस्था, विश्व हिंदू परिषद, भारत विकास परिषद के साथ ही वैश्य आर्य कन्या महाविद्यालय का विशेष योगदान रहा। उन्होंने सभी रक्तदाताओं के साथ ही सहयोगी संस्थाओं का आभार प्रकट किया।

बहादुरगढ़। कैंप में रक्तदाता को प्रोत्साहित करते विधायक राजेश जून। फोटो : हरिभूमि

खबर संक्षेप

मतदाताओं के लिए लगाया विशेष कैंप

बहादुरगढ़। एसआईआर के अंतर्गत बूथ नंबर-168 से 172 के मतदाताओं की सुविधा के लिए रविवार को एक विशेष कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में बीएलओ प्रीत कुमारी, लक्ष्मी, रीना, ममता व सीमा दलाल ने मतदाताओं को जागरूक किया। यशपाल हिंदुस्तानी ने कहा कि मतदाता सूची का सही और पारदर्शी होना लोकतंत्र की मजबूती के लिए अत्यंत आवश्यक है।

योग हमारी संस्कृति व सभ्यता का परिचायक

बहादुरगढ़। वैश्य आर्य कन्या महाविद्यालय द्वारा ऑनलाइन माध्यम से 10 दिवसीय योगशाला का आयोजन किया जा रहा है। 12 जून से शुरू हुई योगशाला में प्रतिभागियों को योग क्रियाएं करवाई जा रही हैं। योगशाला की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्या डॉ. राजवंती शर्मा ने कहा कि योग हमारी संस्कृति व सभ्यता का परिचायक है।

खजाना कार्यालय के पीछे खड़ी बाइक चोरी

झज्जर। खजाना कार्यालय के पीछे खड़ी कर्मचारी की बाइक चोरी हो गई। पुलिस को दी शिकायत रहणिया कालोनी निवासी मंजीत ने बताया कि वह ट्रेजरी ऑफिस में चपड़ासी है। बीती 12 जून को उसने अपनी बाइक खजाना कार्यालय के पीछे की तरफ खड़ी थी। जब वह कार्यालय से ड्यूटी खत्म करके शाम करीब पांच बजे वापिस लौटा तो बाइक वहां से चोरी हो चुकी थी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी।

आस्था के नाम पर पानी को बर्बाद कर रहे लोग

जहां 5 दिन पहले की सफाई, वहां अब फिर फैली गंदगी, अपील भी बेअसर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

सिटी पल्स

आबादी वाले क्षेत्रों से गुजर रही सिंचाई माइनर लगातार प्रदूषण की चपेट में है। जहां-जहां आबादी और पुलिया हैं, वहां लगातार माइनर में कचरा डाला जा रहा है। देवीलाल पार्क, महावीर पार्क, सेक्टर-7 और छोटूराम पार्क के पास माइनर की स्थिति बेहद चिंताजनक बनी हुई है। प्रशासन की चेतावनी व जागरूकता की अपील का पर्यावरण के दुश्मनों पर कोई असर नहीं है।

देवीलाल पार्क, महावीर पार्क, सेक्टर-7 और छोटूराम पार्क के पास माइनर की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है

माइनरों में प्लास्टिक, घरेलू कचरा, खंडित मूर्तियां, पूजन सामग्री, पुराने कपड़े और अन्य अपशिष्ट खुलेआम डाले जा रहे हैं। कई स्थानों पर तो सीवर का गंदा पानी भी माइनर में जा रहा है। अहम बात ये कि मात्र 5 दिन पहले ही डीएमसी अभिनव सिवाच के नेतृत्व में परशुराम मार्ग स्थित माइनर की पुलिया के आसपास विशेष सफाई कराई गई थी। सफाई कर्मचारियों और क्लीन एंड ग्रीन ट्रस्ट के सदस्यों ने कड़ी मेहनत कर माइनर को कहीं हद तक कचरा मुक्त बनाया था, लेकिन अब फिर से उसमें कूड़ा-कचरा और पूजन सामग्री डालकर हालात बदतर कर दिए गए हैं। माइनर के किनारों पर भी गंदगी के ढेर लगे हैं। सिंचाई विभाग ने माइनर के किनारे चेतावनी बोर्ड और फ्लेक्स लगाए हुए हैं। इनमें कूड़ा डालने पर 5 हजार रुपये जुर्माना और 6 माह तक की कैद का प्रावधान बताया गया है। इसके बावजूद नियमों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पिछले कुछ समय के दौरान इसी माइनर और किनारों से 2 मानव भ्रूण भी बरामद हो चुके हैं। इससे क्षेत्र की स्वच्छता और सामाजिक संवेदनशीलता दोनों पर सवाल खड़े होते हैं।

बहादुरगढ़। पांच दिन पहले इस जगह की गई थी सफाई। फोटो : हरिभूमि

पुलिया के पास सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं

महाबीर पार्क निवासी राजेश खत्री का कहना है कि केवल सफाई अभियान चलाने से समस्या का समाधान नहीं होगा। प्रशासन को सख्त निगरानी व्यवस्था लागू करनी होगी। आबादी वाले क्षेत्रों और पुलिया के पास सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं, लोहे के जाल लगाए जाएं तथा नियमित निगरानी के लिए कर्मचारियों की तैनाती की जाए। कचरा फेंकते पकड़े जाने वालों पर जुर्माना लगाकर कड़ी कार्रवाई की जाए।

आम नागरिकों की जागरूकता दिखानी होगी

नवीन मल्होत्रा ने कहा कि नहरों और माइनरों को स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी केवल प्रशासन की नहीं, बल्कि आम नागरिकों की भी है। यदि आसपास रहने वाले लोग जागरूकता दिखाते हुए गंदगी फैलाने वालों को रोकें और प्रशासन को सूचना दें, तो इस समस्या पर काफी हद तक अंकुश लगाया जा सकता है। पूजन सामग्री को नहर में डालने के बजाय उसका उचित निस्तारण करना चाहिए। नहरों में पूजन सामग्री डालने से जल दूषित हो जाता है।

नहरों को साफ रखना सामूहिक जिम्मेदारी

सेक्टर-7 निवासी अविनाश गुप्ता ने कहा कि नहरें और माइनर केवल जल निकासी या सिंचाई का माध्यम नहीं हैं, बल्कि क्षेत्र के पर्यावरण और जल संसाधनों की जीवनरेखा हैं। इन्हें स्वच्छ रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है, ताकि खेतों वर जलघरों तक साफ पानी पहुंच सके और लोगों का स्वास्थ्य सुरक्षित रह सके। इसलिए आम नागरिकों को जागरूक होना होगा।

एसआईआरः बीएलए-2 हर मतदाता का गणना फार्म जरूर भरवाएं : विधायक

बहादुरगढ़। पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह जून के कार्यालय में रविवार को एसआईआर के सिलसिले में कांग्रेस के बीएलए-2 कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। बैठक में कार्यकर्ताओं को एसआईआर के दौरान उनकी जिम्मेदारियों, अधिकारों और मतदाता सूची के पुनर्निरीक्षण कार्य की विस्तृत जानकारी दी गई। कांग्रेस द्वारा नियुक्त सभी बीएलए-2 से पूर्व विधायक राजेंद्र जून ने कहा कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभाएं और घर-घर जाकर मतदाताओं के गणना फार्म भरवाने का कार्य सुनिश्चित करें। एक जुलाई 2026 तक 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं का नाम मतदाता सूची में दर्ज करवाने के लिए आवश्यक दस्तावेजों के साथ फार्म नंबर-6 भी जरूर भरवाएं। जिलाध्यक्ष संजय यादव ने कहा कि मतदाता सूची का यह कार्य चुनाव से भी अधिक महत्वपूर्ण है। सही व मजबूत मतदाता सूची ही लोकतांत्रिक प्रक्रिया की आधारशिला है। कांग्रेस की ओर से नियुक्त विशेषज्ञ वीरेंद्र कौशिक ने बीएलए-2 के अधिकारों और कर्तव्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने सभी बीएलए-2 से आवश्यक फार्म भरकर जमा कराने का आग्रह किया ताकि उनका अधिकृत पहचान पत्र तैयार किया जा सके।

आम जन रोटी बैंक ने झाड़ली स्टेशन पर जरूरतमंदों को भोजन करवाया

झज्जर। आम जन विकास सेवा समिति द्वारा संचालित आम जन रोटी बैंक द्वारा झाड़ली रेलवे स्टेशन पर रविवार को जरुरतमंद लोगों को भोजन कराया गया। समिति अध्यक्ष प्रदीप शर्मा ने बताया कि उनकी समिति द्वारा दानदाताओं के सहयोग से हर माह के दूसरे रविवार जरुरतमंदों को भोजन कराया जाता है। इस मौके पर सूबे सिंह, संदीप कुमार, श्याम लाल, सन्नी कुमार, कृष्ण, बाबूलाल, कुनाल, नीलम देवी, सोनू देवी सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

एशियन कुराश चैंपियनशिप में अंजलि ने जीता ब्रांज मेडल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। टीम के अधिकारियों के साथ विजेता अंजलि।

■ बहादुरगढ़ स्थित एसडीएम कार्यालय में क्लर्क है अंजलि

ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे में हुई 15वीं एशियाई सीनियर कुराश चैंपियनशिप में अंजलि चौहान छाई रही। शानदार प्रदर्शन करते हुए अंजलि ने चैंपियनशिप में ब्रांज मेडल जीतकर देश का परचम लहरा दिया। अंजलि की जीत पर फेडरेशन, कोचों, परिजनों, खेल प्रेमियों व सह कर्मियों ने खुशी जताई है। हिसार मूल की अंजलि यहां बहादुरगढ़ स्थित एसडीएम कार्यालय में क्लर्क है।

बीते दिनों हुए ट्रायल्स में जीत दर्ज करने के बाद अंजलि ने एशियन चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में जगह बनाई थी और अब ताजिकिस्तान में मेडल जीत लिया है। अंजलि ने कुश्ती से खेल की दुनिया में कदम रखा था। वर्ष 2012 मिस हरियाणा और भारत महिला केसरी का खिताब जीता। इसके अलावा जूडो और कुराश में भी कई मेडल अपने नाम किए हैं। शादी और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बाद भी खेल को नहीं छोड़ा। एक बेटी की मां होने के बावजूद लगातार अभ्यास जारी रखा और देश के लिए कई उपलब्धियां हासिल की।

परिवार को दिया श्रेय : अंजलि ने अपनी जीत का श्रेय पति के साथ, परिवार के समर्थन, कोचों और स्पोर्ट्स टीम के सहयोग को दिया है। उन्होंने कहा कि भविष्य में होने वाली प्रतियोगिताओं में और बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास रहेगा।

ओमेक्स सिटी में 10 दिवसीय शिविर में आत्मरक्षा के टिप्स सिखाये

बहादुरगढ़। ओमेक्स सिटी में रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन प्रयास द्वारा आयोजित 10 दिवसीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर का रविवार को समापन हो गया। इस दौरान बच्चों के साथ अन्य परिजनों को स्वयं की सुरक्षा करने के टिप्स दिए। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष एएस कौशिक ने बच्चों के साथ ही अभिभावकों को भी सावधान रहने की अपील की। संतोष कौशिक ने सभी भागीदार बच्चों को मेडल तथा प्रशस्ति पत्र देकर प्रोत्साहित किया। एसोसिएशन महामंत्री दीपक सेठी तथा उप-महामंत्री सचिन अरोड़ा ने ट्रेनर जयदेव दहिया का अभिनंदन किया। इस अवसर कोषाध्यक्ष जेबी बंसल, सत्यवीर शर्मा, बलवान सिंह, अमित सपड़ा, मुकेश जांगड़ा आदि उपस्थित रहे।

स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग थीम के साथ आज निकलेगी योग मैराथन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

■ भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़ मैराथन को हरी झंडी दिखा कर रवाना करेंगे।

12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के सफल आयोजन एवं योग को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं। इसी कड़ी में सोमवार को आयोजित होने वाली जिला स्तरीय योग मैराथन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़ मैराथन को हरी झंडी दिखा कर रवाना करेंगे। डीसी वर्षा खांगवाल ने बताया कि योग दिवस को व्यापक जनभागीदारी के साथ मनाने के लिए जिला भर में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है, जिनमें स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग व योग युक्त-नशा मुक्त हरियाणा थीम के साथ जिला स्तरीय योग मैराथन प्रमुख आकर्षण का केंद्र होगी।

छह बजे शुरू होगी योग मैराथन : डीसी ने बताया कि सोमवार को सुबह छह बजे योग मैराथन का शुभारंभ महर्षि दयानंद सरस्वती खेल स्टेडियम से किया जाएगा। विशिष्ट जनों द्वारा योग प्रमियों की मैराथन को झंडी दिखाकर योग मैराथन को रवाना करेंगे। योग कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉक्टर पवन देशवाल ने बताया कि योग मैराथन का रूट खेल स्टेडियम से शुरू होकर नागरिक अस्पताल, पुरानी तहसील मोड, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, अंबेडकर चौक, पुराना बस स्टैंड तथा छिकारा चौक से होते हुए पुनः खेल स्टेडियम में समापन होगा।

दिनभर चिलचिलाती धूप ने किया परेशान पारा 38 डिग्री सेल्सियस पर पहुंचा

झज्जर। रविवार को एक बार फिर दिनभर सूर्यदेव के तेवर तल्ख रहे। दिनभर आसमान में तेज धूप निकली रही। जिसके कारण लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। दोपहर के समय स्थिति यह रही कि प्रमुख चौक चौराहों और सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। रविवार को अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। लेकिन रियल फील इससे ज्यादा ही रहा। विशेषज्ञ आगामी दिनों में मौसम परिवर्तनशील रहने का अनुमान लगा रहे है।

जाखोदा में 52 लाख से होंगे विकास कार्य

■ जिला पार्षद रविंद्र छिल्लर बराही ने शुभारंभ किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। जाखोदा में ग्राम वासियों के साथ जिला पार्षद रविंद्र छिल्लर बराही व अन्य।

जाखोदा गांव में जिला परिषद की 52 लाख रुपए की ग्रांट से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का जिला पार्षद रविंद्र छिल्लर बराही ने शुभारंभ किया। यहां बास्केटबॉल ग्राउंड से सटी पंचायती भूमि पर 7 लाख रुपए की लागत से बनने वाले रनिंग ट्रैक के कार्य का शुभारंभ किया।

रनिंग ट्रैक के कार्य का शुभारंभ करने के दौरान युवाओं व खिलाड़ियों ने रविंद्र छिल्लर बराही से यहां पर पीने के पानी की सुविधा के लिए एक वाटर कूलर लगवाने की मांग की। रविंद्र छिल्लर ने तुरंत इस मांग को मंजूर करते हुए अपने निजी खर्च से ट्रैक के निकट वाटर कूलर लगवाने की घोषणा की। इसके अलावा उन्होंने गांव में 20 लाख रुपए की लागत से बनने वाली हरिजन चौपाल के निर्माण कार्य की भी शुरुआत करवाई। जबकि बड़ी चौपाल में 13 लाख रुपये की अतिरिक्त लागत से होने वाले विकास कार्यों का भी शुभारंभ किया गया। पहले इसी चौपाल के विकास के लिए 12 लाख 27 हजार रुपये की राशि स्वीकृत की जा चुकी है। अब कुल मिलाकर 25 लाख 27 हजार रुपये की लागत से बड़ी चौपाल का विकास किया जाएगा। इस अवसर पर राजू पहलवान, ब्लॉक समिति चेयरपर्सन प्रतिनिधि संजय जून व विजय दलाल आदि मौजूद रहे।

जिले भर में चलाया जा रहा विशेष स्वच्छता एवं जन जागरूकता अभियान : उपायुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। स्वच्छता अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्र में सफाई करते हुए कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में केंद्र एवं राज्य सरकार के निर्देशानुसार जिलाभर में विशेष जनसंपर्क, जनकल्याण एवं स्वच्छता जागरूकता अभियान व्यापक स्तर पर चलाया जा रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान आयोजित किए जा रहे हैं।

जिनके माध्यम से आमजन को स्वच्छता को अपनी दैनिक जीवन शैली का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। डीसी वर्षा खांगवाल ने कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं बल्कि जनभागीदारी से जुड़ा सामाजिक संकल्प है। स्वच्छ वातावरण से स्वस्थ समाज का निर्माण होता है। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में स्वच्छ भारत मिशन सहित केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी पहलों ने स्वच्छता के प्रति लोगों की सोच में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य किया है। इस बदलावा को जारी रखना होगा।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

बीआरजी के धावकों ने जीते पदक ग्रुप के संस्थापक ने दी बधाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

दिल्ली में हुई कम्पीट विद योरसेल्फ रोहिणी चैप्टर-2 रनिंग प्रतियोगिता में बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप के धावकों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कई पदक जीते। ग्रुप के संस्थापक दीपक छिल्लर ने सभी प्रतिभागियों और विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि बीआरजी का उद्देश्य समाज में स्वास्थ्य, फिटनेस और सकारात्मक जीवनशैली को बढ़ावा देना है।

सोनपाल सिंह ने 10 किलोमीटर दौड़ के ओपन वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। धर्मवीर सैनी ने 35 प्लस आयुवर्ग की 10 किलोमीटर दौड़ में प्रथम स्थान और धर्मवीर ने 45 प्लस आयु वर्ग में प्रथम स्थान हासिल किया। राकेश डबास ने 10 किलोमीटर 45 प्लस आयु वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। राजेश कुमार ने 45 प्लस की 5 किलोमीटर दौड़ में प्रथम स्थान, रोशन लाल शर्मा ने 30 प्लस आयु वर्ग में द्वितीय स्थान, अशोक कुमार ने 60 प्लस आयु वर्ग में प्रथम स्थान और राजपाल ने 45 प्लस आयु वर्ग में तृतीय स्थान प्राप्त कर शानदार प्रदर्शन किया। बीआरजी की अमृत कौर, अंजलि आनंद, सूरज, मोनिका और अरुण सैनी ने भी प्रतियोगिता को सफलतापूर्वक पूरा किया।

जिला प्रशासन ने जन-जागरूकता अभियान चलाया

आईटीआई खुड्डन में डिजिटल लैब व सीसीटीवी सर्विलांस प्रणाली स्थापित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

प्रतिस्पर्धी दौर में कौशल आधारित शिक्षा युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने का प्रभावी माध्यम बनकर उभरी: उपायुक्त

केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिला प्रशासन द्वारा व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग द्वारा युवाओं को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण उपलब्ध कराकर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य किए जा रहे है।

डीसी वर्षा खांगवाल ने बताया कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में कौशल आधारित शिक्षा युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने का सबसे प्रभावी माध्यम बनकर उभरी है। उन्होंने बताया कि राजकीय मॉडल आईटीआई खुड्डन में कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग द्वारा लगभग 54 लाख रुपये की लागत से डिजिटल आईटी लैब, डिजिटल क्लासरूम बोर्ड तथा सीसीटीवी सर्विलांस प्रणाली स्थापित की गई है। इन सुविधाओं से विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक आधारित प्रशिक्षण प्राप्त हो रहा है और उनकी दक्षता में वृद्धि हो रही है।